12TH CLASS HINDI

LIVE

GUARANTEE

अधिनायक

सम्पूर्ण हिंदी अर्थ

प्रश्न उत्तर सहित

BIHAR BOARD EXAM 2023

BY ANU SIR

10.अधिनायक

लेखक- रघुवीर सहाय

जन्म- 9 दिसंबर 1929

निधन- 30 दिसंबर 1990

जन्म-स्थान – लखनऊ, उत्तरप्रदेश

पिता- हरदेव सहाय (एक शिक्षक)

शिक्षा- एम० ए० (अंग्रेजी), लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

संगीत सुनने और फिल्मे देखने मे उनकी विशेष अभिरूचि थी।

उन्होने 'कौमुदी' कविता केंद्र की स्थापना की और उसका संचालन किया।

रघुवीर सहाय पेशे से पत्रकार थे। उन्होंने पत्रकारिता का आरंभ 'नवजीवन' (लखनऊ) से किया।

इसके बाद ‘समाचार विभाग’ आकाशवाणी, नई दिल्ली और फिर नवभारत टाइम्स (नई दिल्ली) मे विशेष संवाददाता के रूप मे काम किया । उन्होने 1979 से 1982 तक ‘दिनमान’ समाचार-साप्ताहिक के प्रधान संपादक के रुप मे काम किया ।

रघुवीर सहाय अज्ञेय द्वारा संपादित ‘दूसरा सप्तक’ के माध्यम से कवि रूप मे लोगो के सामने आए ।

रचनाएँ-

कविताएँ- सीढ़ियों पर धूप मे, आत्महत्या के विरूद्ध, हँसो- हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए है, कुछ पत्ते कुछ चिट्ठियाँ

कहानिया- रास्ता इधर से है, जो आदमी हम बना रहे है ।

निबंध- दिल्ली मेरा परदेश , लिखने का कारण, ऊबे हुए सुखी, वे और नही होंगे जो मारे जाएँगे, यथार्थ यथास्थिति नहीं

सम्पूर्ण रचनावली छह खंडों मे ‘राजकमल प्रकाशन’ नई दिल्ली से प्रकाशित ।

‘लोग भूल गए है’ रचना के लिए उन्हें 1984 मे साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ।

यह कविता ‘अधिनायक’ उनके संग्रह ‘आत्महत्या के विरूद्ध’ से ली गई है।
रघुवीर सहाय बीसवीं शती के रचनाकार है ।

पाठ

राष्ट्रगीत मे भला कोना वह
भारत-भाग्य विधाता है
फटा सुथन्ना पहने जिसका
गुन हरचरना गाता है ।

हरिचरण का तद्भव

मखमल टमटम बल्लम तुरही
पगड़ी छत्र चंवर के साथ
तोप छुड़ाकर ढोल बजाकर
जय-जय कौन कराता है ।

पूरब-पश्चिम से आते है
नंगे-बूचे नरकंकाल
सिंहासन पर बैठा, उनके
तमगे कौन लगाता है ।

कौन-कौन है वह जन-गण-मन-
अधिनायक वह महाबली
डरा हुआ मन बेमन जिसका
बाजा रोज बजाता है ।

Ques + Ans

पाठ का प्रश्न उत्तर

प्रश्न1. हरचरना कौन है ? उसकी क्या पहचान है ?

उत्तर- हरचरना किसी विशेष आदमी का नाम नही है । वह गरीब, पीड़ित, शोषित मध्यमवर्गीय जनता का प्रतीक है, जिसे अपनी इच्छा के
अनुसार नही बल्कि शासक वर्ग के इच्छानुसार काम करना पड़ता है ।

पहचान –

(क) उसके शरीर पर फटे-पुराने कपड़े है ।

(ख) वह पीड़ित तथा शोषित है ।

(ग) वो शासक वर्ग के इच्छानुसार काम करता है ।

प्रश्न 2. हरचरना 'हरिचरण' का तद्भव रूप है, कवि ने कविता मे 'हरचरना' को रखा है, हरिचरण को नही; क्यों ?

उत्तर- कवि ने ऐसा इसलिए किया क्योकि हरचरना दबे-कुचले, गरीब-शोषित आम लोगो का प्रतिनिधि है । इस वर्ग के लोगो के नाम ऐसे ही होते है । वही 'हरिचरण' नाम जो कि आम जनता का प्रतिनिधित्व का प्रतीक नही है ।

प्रश्न 3. अधिनायक कौन है ? उसकी क्या पहचान है ?

उत्तर- अधिनायक शासक वर्ग का विशेष व्यक्ति है , जो अपनी इच्छा को कभी दबा नही पाता है। वह मध्यमवर्गीय से अपना इच्छा पुरा करवाता है ।

पहचान-

(क) वह राजसी ठाट-बाट मे रहता है ।

(ख) वह दूसरो पर अपनी इच्छा थोपना चाहता है ।

(ग) वह तानाशाह होता है ।

(घ) वह अपनी तानाशाही का प्रशंसा सुनना चाहता है ।

(ङ) वह समारोहो मे विशेष अतिथि के रूप मे आसन ग्रहण करना चाहता है ।

प्रश्न 4.'जय-जय कराना' का क्या अर्थ है ?

उत्तर- 'जय-जय कराना' का अर्थ होता है दूसरो से अपनी प्रशंसा करवाना‘ यानि कि कुछ लोग ऐसे होते है जिनको अपनी प्रशंसा सुनने की बहुत लालसा होती है और वो दूसरों से अपनी प्रशंसा जबरदस्ती करवाना चाहते है ।

प्रश्न 5. ‘डरा हुआ मन बेमन जिसका बाजा रोज बजाता है’ यहाँ ‘बेमन’ का क्या अर्थ है ?

उत्तर- यहाँ बेमन का अर्थ है ‘बिना मन के’ अर्थात इच्छा के विरूद्ध । एक आम आदमी आजादी के बाद भी वही जीवन जी रहा है जैसा वह आजादी के पहले जीता था। यहाँ तक कि उसकी जरूरते भी पूरी नही हो पा रही है । वह अपने सामने ठाट-बाट मे बैठे सत्तावर्ग के लोगो का गुणगान करना नही चाहता फिर भी उसे अपने मन क़े विरूद्ध करना ही पड़ता है ।

प्रश्न 6. हरचरना अधिनायक के गुण क्यों गाता है ? उसके डर के क्या कारण है ?

उत्तर- हरचरना अधिनायक के गुण इसलिए गाता है क्योकि अधिनायक सत्तावर्ग का अत्यन्त बलशाली व्यक्ति होता है। वह मध्यमवर्गीय जनता का अहित कर सकता है ।

डर के कारण-

हरचरना अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति न होने के कारण एक तो पहले से ही कमजोर है। वह अधिनायक से आशा लगाए रहता है कि शायद उसकी आवश्यकताओ की पूर्ति हो जाय। वैसे भी हरचरना जैसे आम आदमी को हर समय अपनी जान का भय बना रहता है ।

प्रश्न 7. बाजा बजाना' का क्या अर्थ है ?
उत्तर- 'बाजा बजाना' का अर्थ है – गुणगान करना । अर्थात किसी व्यक्ति की प्रशंसा मे चाटुकारितापूर्ण बातें करना या प्रशंसा के गीत गाकर उसे खुश करने का प्रयास करना ।

प्रश्न 8. 'कौन-कौन है वह जन-गण-मन-अधिनायक वह महाबली' – कविहाँ किसकी पहचान कराना चाहता है ?
उत्तर- 'कौन-कौन है वह जन-गण-मन-अधिनायक वह महाबली' के माध्यम से कवि सत्तावर्ग के अत्यंत बलशाली लोगो की पहचान कराना चाहता है जो ताकतवर है । इनके आगे आम आदमी का कोई अस्तित्व नही है । आम आदमी और उनके बीच जमीन आसमान का फर्क है ।

प्रश्न 9. 'कौन-कौन' मे पुनरुक्ति है, कवि ने यह प्रयोग किसलिए किया है ?
उत्तर- हम जानते है कि आम आदमी का शोषण करने वाला आदमी जो सत्तावर्ग का है, वो अकेला नही है । वो एक से अधिक लोग है जो कई तरह से आम आदमी का शोषण कर रहे है । कवि ने उन सभी लोगो के लिये यहाँ पुनरुक्ति किया है ।

प्रश्न 10.भारत के राष्ट्रगान ‘जन-गण-मन-अधिनायक जय हे’ से इस कविता का क्या संबंध है ? वर्णन करे ।

उत्तर- भारत के राष्ट्रगान ‘जन-गण-मन-अधिनायक जय हे’ से इस कविता का यह संबंध है कि भारत के राष्ट्रगान में अधिनायक शब्द का प्रयोग देश को आजादी दिलाने वाले, देश कों उन्नति के पथ पर ले जाने वाले, लोगो के कल्याण के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले महापुरुषो तथा राजनैतिक व्यक्तियों के लिए किया गया है । वही इस व्यंग्यात्मक कविता मे ‘अधिनायक’ शब्द आज के नेताओं या सत्तावर्ग के प्रतिनिधियों के लिये प्रयुक्त किया गया है ।

प्रश्न 11. कविता का भावार्थ अपने शब्दो मे लिखे ।

उत्तर- कविता का भावार्थ यह है कि देश को आजादी मिले काफी समय बीत गया है, पर आम आदमी की स्थिति ज्यो की त्यों बनी हुई है । उसकी जरुरते भी नही पूरी हो रही है । आज के अधिनायक इतने स्वार्थी हो गये है कि वो अपनी जरुरत पूरा करने के लिए आम आदमी का शोषण कर रहे है । वे तानाशाह भी है । वे लोग अपनी प्रशंसा आम आदमी से जबरदस्ती करवा लेते है । आम आदमी भी विवश है , उनलोगो के आगे ।

प्रश्न 12. व्याख्या करे-

पूरब-पश्चिम मे आते है
नंगे बूचे नर-कंकाल
सिंहासन पर बैठा, उनके
तमगे कौन लगाता है

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति रघुवीर सहाय द्वारा रचित कविता ‘अधिनायक’ से लिया गया है । कवी के अनुसार राष्ट्रीय त्योहारों के अवसर पर सभी दिशाओ से जो जनता आती है वह नंगे पाँव है । वह नर कंकाल के रूप मे दिखाई दे रही है । इन गरीबो की कमाई भी सत्ता वाले लोग जो सिंहासन पर बैठे है , वो हड़प लेते है । गरीबो के पैसे से ही वह मेडल,फूल की माला पहनता है । कवि यह प्रश्न करता है कि आखिर किनके दबाव मे आकर इन लोगो को इस आसन पर बैठाकर इतना सम्मान दिया जाता है ?